अल-मसीह की नई बिरादरी

al-masīh kī naī birādarī

The New Community of al-Masih

by Bakhtullah

[Ao, Khud Dekh Lo 26]

(Urdu—Hindi script)

© 2024 www.chashmamedia.org
published and printed by
Good Word, New Delhi

The title cover is derived from BilliTheCat
https://pixabay.com/vectors/mughal-scene-scenery-india-4676668/.

Bible quotations are from UGV.

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

नई बिरादरी की शान पाओ 2

नई बिरादरी के नए हुक्म पर चलो 4

नई बिरादरी की ठोस बुनियाद पर खड़े रहो 5

इंजील, यूहन्ना 13:31-38 7

एक शाम ईसा मसीह ने दस्तरख़ान से उठकर अपने शागिर्दों के पाँव धो दिए।

► **इससे वह हमें क्या सिखाना चाहता था?**

यह कि तुम सबको मेरी ख़िदमत की ज़रूरत है—पाक-साफ़ करने की ख़िदमत। मेरा शागिर्द बनने की बस एक ही शर्त है—यह कि तुम मेरी यह ख़िदमत क़बूल करो। यह न सोचो कि तुम अपनी कोशिशों से पाक-साफ़ हो सकते हो। मेरी ख़िदमत क़बूल करो। तब ही तुम शैतानी ताक़तों से महफ़ूज़ रहोगे। तब ही तुम अदालत के दिन बच जाओगे। तब ही तुम ख़ुद भी यह ख़िदमत करना सीख जाओगे। क्योंकि एक दूसरे की ख़िदमत मेरे घरवालों का लासानी निशान है।

एक था जो मसीह की यह ख़िदमत क़बूल करने के लिए तैयार नहीं था—यहूदाह। नतीजे में उसका दिल अंधेरा हो गया और वह इबलीस के क़ब्ज़े में आ गया। तब वह चला गया ताकि मसीह को दुश्मन के हवाले करे।

अब मसीह ने एक नया मज़मून छेड़ा।

► **कौन-सा मज़मून?**

यह कि मेरी मौत और जी उठने से एक नया ज़माना शुरू होगा। एक नई बिरादरी क़ायम हो जाएगी। इसमें तीन बातें अहम हैं। पहली बात,

नई बिरादरी की शान पाओ

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> अब इब्ने-आदम ने जलाल पाया और अल्लाह ने उसमें जलाल पाया है। (यूहन्ना 13:31)

► **इब्ने-आदम कौन है?**

इब्ने-आदम ईसा मसीह है जिसके बारे में दानियाल नबी ने सदियों पहले रोया देखकर फ़रमाया था कि

> आसमान के बादलों के साथ साथ कोई आ रहा है जो इब्ने-आदम-सा लग रहा है। जब क़दीमुल-ऐयाम के क़रीब पहुँचा तो उसके हुज़ूर लाया गया। उसे सलतनत, इज़्ज़त और बादशाही दी गई, और हर क़ौम, उम्मत और ज़बान के अफ़राद ने उसकी परस्तिश की। उसकी हुकूमत अबदी है और कभी ख़त्म नहीं होगी। उसकी बादशाही कभी तबाह नहीं होगी। (दानियाल 7:13-14)

► **क़दीमुल-ऐयाम कौन है?**

ख़ुदा जिसके सामने इब्ने-आदम को लाया गया। यानी ईसा मसीह अपनी जान देने के बाद जी उठा और दुबारा ख़ुदा बाप के हुज़ूर आया।

► **किसने जलाल पाया?**
ईसा मसीह और ख़ुदा बाप दोनों ने जलाल पाया।

► **ईसा मसीह ने किस तरह जलाल पाया?**
अपनी जान हमारी ख़ातिर देकर जी उठने से।

► **ख़ुदा बाप को किस तरह जलाल मिल गया?**
उसने अज़ल से अपने फ़रज़ंद को इस दुनिया में भेजने का मनसूबा बनाया था। सब कुछ उसके मनसूबे के तहत हुआ था। यों उसे अपने फ़रज़ंद में जलाल मिल गया।

यह कितना अज़ीम मनसूबा था! उसका फ़रज़ंद अपनी शानो-शौकत छोड़कर इस दुनिया में उतर आया ताकि नाक़िस इनसान की ख़ातिर अपनी जान दे। यह कैसी गहरी मुहब्बत थी! उसने हमें बचाया, हम जो इस लायक़ नहीं थे।

यूहन्ना की पूरी इंजील इसी पर ज़ोर देती है : कि ख़ुदा बाप ने अपने फ़रज़ंद के वसीले से ऐसा काम किया जो इनसान की आम सोच से कहीं दूर है। इनसान अपने आपको बड़ा बनाना चाहता है। इसके बरअक्स ख़ुदा के फ़रज़ंद ने आसमानी जलाल से उतरकर अपने आपको पस्त कर दिया और मौत तक ताबे रहा। इसी से उसने जलाल पाया।

इनसान को ज़्यादातर अपनी ही फ़िकर रहती है। उसकी मुहब्बत का दायरा बहुत महदूद रहती है। ख़ुदा फ़रक़ है। उसे हम सबकी फ़िकर रहती है। वह नहीं चाहता था कि हम सब जन्नत की ख़ुशियों से महरूम रह जाएँ। इसलिए उसने अपने फ़रज़ंद के वसीले से हमें गुनाह और मौत के पंजे से छुड़ाया। उसकी इस गहरी मुहब्बत से उसका लासानी जलाल ज़ाहिर होता है।

लेकिन अब ध्यान दें। पसे-परदा ईसा मसीह एक और बात भी अपने शागिर्दों को बताना चाहता था। यह कि जो मुझ पर ईमान लाए वह भी मेरे इस जलाल में शरीक हो जाएगा।

► **ईमानदार क्यों इस जलाल में शरीक हो जाएगा?**
जो उस पर ईमान लाता है वह उसका घरवाला बन जाता है। इससे वह उसके जलाल में भी शरीक हो जाता है।

► **क्या आपको यह शान हासिल हुई है जो उसके घरवालों को हासिल होती है?**

दूसरी बात,

नई बिरादरी के नए हुक्म पर चलो

ईसा मसीह ने अपने शागिर्दों को बताया कि थोड़ी देर बाद मैं चला जाऊँगा। और जहाँ मैं जा रहा हूँ वहाँ तुम नहीं आ सकते।

> मैं तुमको एक नया हुक्म देता हूँ, यह कि एक दूसरे से मुहब्बत रखो। जिस तरह मैंने तुमसे मुहब्बत रखी उसी तरह तुम भी एक दूसरे से मुहब्बत करो। अगर तुम एक दूसरे से मुहब्बत रखोगे तो सब जान लेंगे कि तुम मेरे शागिर्द हो। (यूहन्ना 13:34-35)

► **एक दूसरे से मुहब्बत रखना नया हुक्म नहीं था। क्या ख़ुदा ने पहले से इसराईलियों को नहीं बताया था कि एक दूसरे से मुहब्बत रखो?**

ज़रूर (देखिए तौरेत, अंबिया 19:18)।

► **तो फिर इसे क्यों नया हुक्म कहा जाता है?**

अपनी सलीबी मौत से ईसा मसीह ने एक नई बिरादरी की बुनियाद डाली। इस बिरादरी का निशान वह मुहब्बत है जो उसने ख़ुद दुनिया में उतरकर इनसान के वास्ते अपनी जान देने से दिखाई।

► **क्या आप इस हुक्म पर चलते हैं?**

तीसरी बात,

नई बिरादरी की ठोस बुनियाद पर खड़े रहो

अब ध्यान दें कि पतरस ने ईसा मसीह की बात पर क्या कहा। उसने पूछा, "ख़ुदावंद, आप कहाँ जा रहे हैं?"

► **यह सवाल कुछ अजीब-सा लगता है। क्यों?**

अभी अभी ईसा मसीह ने अपने शागिर्दों को मुहब्बत का नया हुक्म दिया था, लेकिन पतरस ने इस पर ग़ौर ही न किया। उसे बस इसकी फ़िक्र थी कि उस्ताद कहीं जा रहा है।

► **वह यह क्यों जानना चाहता था?**

पतरस अब तक अपने आपको मसीह का एजंट समझता था। उसका वज़ीर जो सब कुछ कंट्रोल करना चाहता था।

ईसा मसीह ने जवाब दिया, "जहाँ मैं जा रहा हूँ वहाँ तू मेरे पीछे नहीं आ सकता। लेकिन बाद में तू मेरे पीछे आ जाएगा।"

पतरस ने सवाल किया, "ख़ुदावंद, मैं आपके पीछे अभी क्यों नहीं जा सकता? मैं आपके लिए अपनी जान तक देने को तैयार हूँ।"

लेकिन ईसा मसीह ने जवाब दिया, "तू मेरे लिए अपनी जान देना चाहता है? मैं तुझे सच बताता हूँ कि मुर्ग़ के बाँग देने से पहले पहले तू तीन मरतबा मुझे जानने से इनकार कर चुका होगा।"

पतरस को पूरा यक़ीन था कि वह अपनी जान देने को तैयार था। लेकिन ईसा मसीह का जवाब साफ़ है : तू मेरे लिए कुछ नहीं कर सकता। तेरी कोशिशें नाकाफ़ी हैं।

► **वह क्यों नाकाफ़ी हैं?**

हम अपनी तरफ़ से कुछ नहीं कर सकते। न हम अपनी कोशिशों से जन्नत में दाख़िल हो सकते हैं, न सवाब कमा सकते हैं। मसीह तो

जन्नत में दाख़िल होने का वाहिद वसीला है, क्योंकि उसने अपनी सलीबी मौत से हमें छुटकारा दिया है।

यही नई बिरादरी की मज़बूत बुनियाद है। अगर हमारी नाक़िस कोशिशें इस बिरादरी की बुनियाद होतीं तो यह बुनियाद नाक़िस होती। लेकिन नई बिरादरी की बुनियाद नजात का वह काम है जो उसने हमारी ख़ातिर किया है।

क्या आपको मसीह की नई बिरादरी की शान हासिल है? क्या इस बिरादरी का नया हुक्म आपको उभार रहा है? क्या आपकी ज़िंदगी और मुस्तक़बिल इसी बिरादरी की ठोस बुनियाद पर क़ायम है?

इंजील, यूहन्ना 13:31-38

यहूदाह के चले जाने के बाद ईसा ने कहा, “अब इब्ने-आदम ने जलाल पाया और अल्लाह ने उसमें जलाल पाया है। हाँ, चूँकि अल्लाह को उसमें जलाल मिल गया है इसलिए अल्लाह अपने में फ़रज़ंद को जलाल देगा। और वह यह जलाल फ़ौरन देगा। मेरे बच्चो, मैं थोड़ी देर और तुम्हारे पास ठहरूँगा। तुम मुझे तलाश करोगे, और जो कुछ मैं यहूदियों को बता चुका हूँ वह अब तुमको भी बताता हूँ, जहाँ मैं जा रहा हूँ वहाँ तुम नहीं आ सकते। मैं तुमको एक नया हुक्म देता हूँ, यह कि एक दूसरे से मुहब्बत रखो।

जिस तरह मैंने तुमसे मुहब्बत रखी उसी तरह तुम भी एक दूसरे से मुहब्बत करो। अगर तुम एक दूसरे से मुहब्बत रखोगे तो सब जान लेंगे कि तुम मेरे शागिर्द हो।”
पतरस ने पूछा, “ख़ुदावंद, आप कहाँ जा रहे हैं?”
ईसा ने जवाब दिया, “जहाँ मैं जा रहा हूँ वहाँ तू मेरे पीछे नहीं आ सकता। लेकिन बाद में तू मेरे पीछे आ जाएगा।”
पतरस ने सवाल किया, “ख़ुदावंद, मैं आपके पीछे अभी क्यों नहीं जा सकता? मैं आपके लिए अपनी जान तक देने को तैयार हूँ।”
लेकिन ईसा ने जवाब दिया, “तू मेरे लिए अपनी जान देना चाहता है? मैं तुझे सच बताता हूँ कि मुर्ग़ के बाँग देने से पहले पहले तू तीन मरतबा मुझे जानने से इनकार कर चुका होगा।